Today's Poem – 10.07.2014

हमें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना

अन्दर में नॉलेज का सिमरण करते रहना

फ़िदा होना

माना बाप की याद में समा जाना

आत्मा रूपी बैटरी निराकार बाप से जुटती

तो बैटरी चार्ज हो जाती, कमाई हो जाती

बाप से अविनाशी ज्ञान धन लेकर दूसरों को दान करना

ज्ञान दान करने में मनहूस नहीं बनना

अपना पोतामेल देखना

सन्तुष्ट रहना

सन्तुष्ट करना

इच्छा अच्छा बनने नहीं देती

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!